करेंट अफेयर्स हरियाणा

नवंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

हरियाणा **5**

- साहित्यकार सम्मान योजना 5
- 22वाँ अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट ब्यूरो निदेशक सम्मेलन 5
- 56वाँ हरियाणा दिवस 6
- संशोधित 'समाधान से विकास' योजना को स्वीकृति 7
- 200 बिस्तरों वाले 'मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच) ब्लॉक' के निर्माण की मंज़ूरी 7
- हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2021 को स्वीकृति मिली 7
- 'वन टाइम सेटलमेंट योजना' को मंज़ूरी 8
- 'मॉडर्न इंडिया'पुस्तक का विमोचन 8
- हरियाणा के किसानों को मिलीं कई बड़ी सौगातें 9
- उड़न सिख सरदार मिल्खा सिंह स्टेडियम 9

नोट :

- निजी शैक्षणिक संस्थानों को प्रॉपर्टी टैक्स में एक वर्ष की छूट 9
- सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने किया चीनी मिल के पिराई सत्र का शुभारंभ 10
- राष्ट्रीय तलवारबाज़ी प्रतियोगिता 10
- देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस थानें 10
- हिसार अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट 11
- डीएनबी पाठ्यक्रमों में सेवारत डॉक्टरों के लिये 50 प्रतिशत आरक्षण 11
- चौधरी देवीलाल सहकारी चीनी मिल गोहाना के पिराई सत्र का शुभारंभ 12
- इंडियन साइन लैंग्वेज की पाठ्यपुस्तकों का विमोचन 12
- राष्ट्रीय खेल एवं साहसिक पुरस्कार-2021 13
- 40वें भारतीय राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में हरियाणा मंडप 14
- 'जागृति यात्रा' साइकिल 14
- 'हरियाणा अणु विद्युत परियोजना' की समीक्षा बैठक 15
- हरियाणा मे वाहनों के लिये सम-विषम प्रणाली 15
- आदर्श गाँव सुई 16

नोट :

- झज्जर में बनेगा स्वामी ओमानंद सरस्वती के नाम पर विशाल पुरातत्त्व संग्रहालय 16
- मुख्यमंत्री ने स्कैटिंग गोल्ड मेडलिस्ट वैभव गुलाटी को किया सम्मानित 17
- हरियाणा को स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में देश में दूसरा स्थान मिला 17
- हरियाणा के भट्टूकलां थाने को मिला 'सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन' अवार्ड 17
- जीआईएस लैब 18
- आधुनिक राजस्व रिकॉर्ड रूम का उद्घाटन किया 18
- कोविड पीड़ितों के परिजनों के लिये अनुग्रह सहायता हेतु ऑनलाइन सेवा शुरू 19
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 हरियाणा में लिंगानुपात में 57 अंकों की वृद्धि 19
- गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिये हरियाणा के ज़िलों में लगाए जाएंगे अंत्योदय मेले 20
- पेडल ऑपरेटेड मेज शेलर 20

नोट :

हरियाणा

साहित्यकार सम्मान योजना

चर्चा में क्यों ?

- 31 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्यकार सम्मान योजना वर्ष 2020 के लिये विभिन्न सम्मानों हेतु साहित्यकारों का चयन कर लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- अकादमी द्वारा समग्र लेखन के लिये राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किये जाने वाला आजीवन साहित्य साधना सम्मान (राशि 7 लाख रुपए) के लिये राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कथाकार, उपन्यासकार ज्ञानप्रकाश विवेक (बहादुरगढ़) का चयन किया गया है।
- महाकवि सूरदास आजीवन साहित्य साधना सम्मान (राशि 5 लाख रुपए) सुपरिचित कवि एवं समालोचक डॉ. सुभाष रस्तोगी (अंबाला छावनी) को दिया जाएगा।
- पंडित माधव प्रसाद मिश्र सम्मान (2.50 लाख रुपए) के लिये हिन्दी एवं हरियाणवी के प्रसिद्ध रचनाकार हरिकृष्ण द्विवेदी (कुरुक्षेत्र) का चयन किया गया है।
- हिन्दी साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिये सुपरिचित कवि अमरजीत अमर (चंडीगढ़) को बाबू बालमुकुंद गुप्त सम्मान (2 लाख रुपए) प्रदान किया जाएगा।
- हिन्दी पत्रकारिता के लिये दिये जाने वाले लाला देशबंधु गुप्त सम्मान (2 लाख रुपए) के अंतर्गत दैनिक ट्रिब्यून के वरिष्ठ संपादक राजकुमार सिंह (चंडीगढ़) का चयन किया गया है।
- हरियाणवी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये सरोज दहिया (सोनीपत) को जनकवि मेहर सिंह सम्मान (2 लाख रुपए) के लिये चुना गया है।
- राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा प्रदेश का नाम गौरवान्वित करने के लिये दिया जाने वाला हरियाणा गौरव सम्मान (2 लाख रुपए) सविता चड्ढ़ा (दिल्ली) को दिया गया है।
- अकादमी के श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान (2 लाख रुपए) के लिये वरिष्ठ कथाकार कमलेश चौधरी (कुरुक्षेत्र) का चयन किया गया है।
- युवा पीढ़ी को सृजनात्मक लेखन के लिये प्रोत्साहित करने हेतु आरंभ किये गए स्वामी विवेकानंद स्वर्ण जयंती युवा लेखक सम्मान (50 हज़ार रुपए) के लिये सुश्री नंदिनी (रेवाड़ी) का चयन किया गया है।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वर्ण जयंती युवा लेखक सम्मान (50 हज़ार) के लिये पंकज सोनी (भिवानी) का चयन किया गया है।
- गौरतलब है कि युवा साहित्यकारों के प्रोत्साहन के लिये अकादमी द्वारा वर्ष 2021 से 15 नए पुरस्कार आरंभ किये गए हैं तथा युवा लेखक सम्मान के अंतर्गत दिये जाने वाले सम्मानों की संख्या दोगुनी करते हुए सम्मान राशि भी 50 हज़ार रुपए से बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दी गई है।

22वाँ अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट ब्यूरो निदेशक सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, नई दिल्ली में आयोजित 22वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट ब्यूरो निदेशक सम्मेलन में हरियाणा फिंगर प्रिंट ब्यूरो ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष के सम्मेलन का विषय 'अपराध रोकथाम के लिये राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट प्रणाली का उपयोग' था।
- हरियाणा फिंगरप्रिंट ब्यूरो ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत के सभी राज्यों में तीसरा स्थान हासिल किया है।
- इस सम्मेलन में, भारत के सभी राज्यों के फिंगरप्रिंट ब्यूरो ने फिंगरप्रिंट विज्ञान का उपयोग करके मामलों को हल करने में उपयोग किये जाने वाले स्मार्ट फिंगरप्रिंट विज्ञान के बारे में अपने-अपने तरीकों का प्रदर्शन किया, जिसमें हरियाणा के फिंगरप्रिंट ब्यूरो ने निकिता तोमर हत्याकांड में स्मार्ट फिंगरप्रिंट विज्ञान तकनीक का प्रदर्शन किया।
- गौरतलब है कि ऑटोमेटिक फिंगरप्रिंट रिकग्निशन सिस्टम पूरे देश में लागू किया जाएगा, ताकि अपराध की जाँच कर उचित तरीके से मुकदमा चलाया जा सके और अपराधी को सजा दी जा सके।

56वाँ हरियाणा दिवस

चर्चा में क्यों ?

- 1 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 56वें हरियाणा दिवस पर राज्य के लोगों के लिये कई जन कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा के साथ-साथ कई योजनाओं का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 नवंबर, 2021 से सरकारी विभागों की 456 सेवाएँ परिवार पहचान-पत्र के माध्यम से ही मिलेंगी। इन योजनाओं का लाभ आमजन सरल केंद्र, अंत्योदय केंद्र या सामान्य सेवा केंद्र पर जाकर ले सकते हैं।
- मुख्यमंत्री ने हरियाणा की विभिन्न जेलों में बंद 250 कैदियों या जो वर्तमान में पैरोल पर हैं, ऐसे कैदियों, जिनकी सजा छह महीने या उससे कम बची है, उनकी सजा माफ करने की घोषणा की। सामान्य अपराधों में शामिल ऐसे कैदियों की रिहाई 2 नवंबर, 2021 से शुरू होगी। यह घोषणा जघन्य अपराधों में दोषी ठहराए गए कैदियों पर लागू नहीं होगी।
- साइबर अपराधों की शिकायतों को दर्ज करने के लिये राज्य में आज (1 नवम्बर) से सभी एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिस थानों में साइबर हेल्पडेस्क स्थापित किये जाएंगे तथा अगले एक वर्ष की अवधि में हरियाणा के सभी ज़िलों में चरणबद्ध तरीके से साइबर अपराध पुलिस स्टेशन स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है।
- मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के कर्मचारियों के लिये द्विवार्षिक स्वास्थ्य जाँच योजना की शुरुआत की। यह योजना 35 वर्ष या उससे ज्यादा की आयु वाले कर्मचारियों के लिये है और यह 1 जनवरी, 2022 से लागू होगी। इस योजना के तहत चिकित्सा जाँच के लिये पुलिसकर्मियों को कोई पैसा नहीं देना होगा। चिकित्सा जाँच का सारा खर्च सरकार वहन करेगी और इसके लिये एजेंसी को सीधे भुगतान किया जाएगा।
- राज्य के सभी उपमंडल अधिकारी (नागरिक) और सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्येक ज़िले में संपत्ति के हस्तांतरण आदि के दस्तावेज़ों के पंजीकरण के प्रयोजनों के लिये उप-पंजीयक और संयुक्त उप-पंजीयक के रूप में नामित किये जाएंगे। तहसीलदार और नायब-तहसीलदार भी संयुक्त उप-पंजीयक बने रहेंगे।
- मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों के अंतर्गत तीव्र व समग्र विकास का तंत्र बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में हरियाणा पंचायत संरक्षक योजना-2021 का शुभारंभ किया। इसमें प्रथम श्रेणी अधिकारियों को ग्राम पंचायत के संरक्षक की भूमिका प्रदान की जाएगी। इस योजना के लिये मानव संसाधन विभाग को नोडल विभाग बनाया जाएगा।
- उन्होंने सरकारी विभागों और उपक्रमों में अनुबंध के आधार पर कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया को सुगम और सुव्यवस्थित करने के लिये हरियाणा कौशल विकास निगम के वन-स्टॉप आई.टी. पोर्टल का शुभारंभ किया।
- विभिन्न ज़िलों में लागू डीसी रेट को अब निगम रेट कहा जाएगा और यह रेट मुख्य सचिव के नेतृत्व में सामान्य प्रशासन विभाग तय करेगा। यह रेट कौशल विकास निगम के माध्यम से अनुबंध के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों पर भी लागू होंगे।
- इनके निर्धारण के लिये प्रदेश के ज़िलों की 3 श्रेणियाँ बनाई गई हैं। श्रेणी-1 में गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और सोनीपत, श्रेणी-2 में पानीपत, झज्जर, पलवल, करनाल, अंबाला, हिसार, रोहतक, रेवाड़ी, कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर, भिवानी और जींद तथा श्रेणी-3 में महेंद्रगढ़, फतेहाबाद, सिरसा, नूंह और चरखी-दादरी शामिल हैं।

- मुख्यमंत्री ने राज्य में पेपरलेस, फेसलेस और पारदर्शी व्यवस्था के अपने विज़न को आगे बढ़ाते हुए, हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल https:\\works.haryana.gov.in लॉन्च किया। इसका उद्देश्य प्रदेश सरकार के चार प्राथमिक इंजीनियरिंग विभागों लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी और शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग कार्यों में काम करने के इच्छुक ठेकेदारों को ईज़ ऑफ डूईंग बिज़नेस की सुविधा प्रदान करना है।

संशोधित 'समाधान से विकास' योजना को स्वीकृति

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा चिरलंबित बाह्य विकास शुल्क (ईडीसी) के बकायों की वसूली को सक्षम बनाने के लिये संशोधित 'समाधान से विकास' योजना को स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रमुख बिंदु

- चिरलंबित ईडीसी बकाया की वसूली को सक्षम करने के लिये तैयार की गई 'समाधान से विकास' योजना को 6 जुलाई, 2020 को राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में अनुमोदित किया गया था।
- इस योजना को केंद्रीय योजना 'विवाद से विश्वास' की तर्ज़ पर विकसित किया गया था।
- इस नीति के तहत 30 सितंबर, 2021 तक 1130.13 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई है। वर्तमान में कॉलोनाइजर/डेवलपर्स की ओर लगभग 14932.87 करोड़ रुपए की ईडीसी बकाया है। अत: इस योजना को 30 सितंबर, 2021 के बाद विस्तारित नहीं किया गया था।

200 बिस्तरों वाले 'मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच) ब्लॉक' के निर्माण की मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा फरीदाबाद के सिविल अस्पताल में 200 बिस्तरों वाले 'मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच) ब्लॉक' के निर्माण को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने बताया कि एमसीएच ब्लॉक के अलावा एनएचएम के तहत राज्य के छह ज़िलों में एमसीएच विंग/ब्लॉक की स्थापना को मंज़ूरी दी गई है।
- इसके साथ ही, ज़िला सिविल अस्पतालों यानी पंचकूला, सोनीपत, पानीपत, फरीदाबाद और पलवल में पाँच एमसीएच ब्लॉकों की स्थापना प्रक्रिया में है।
- उन्होंने यह भी बताया कि चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा मेडिकल कॉलेज नलहड़ में एक एमसीएच ब्लॉक की स्थापना की जा रही है।

हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2021 को स्वीकृति मिली

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2021 को स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रमुख बिंदु

- भू-राजस्व के बकाया के रूप में अवॉर्ड राशि की वसूली के प्रावधान को शामिल करने के लिये मसौदा नियम 'हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2021' तैयार किया गया है।

- मामलों की सुनवाई के दौरान उत्पन्न होने वाली कानूनी जटिलताओं/मुद्दों से निपटने के लिये महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढाँचा विकास निगम, पंचकूला के स्थान पर न्याय प्रशासन विभाग, हरियाणा के एक अधिकारी को शामिल करके परिषद की संरचना में भी बदलाव किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2007 अधिसूचित किया था, जिसमें परिषद की संरचना और परिषद द्वारा अपने कार्यों के निर्वहन के लिये पालन की जाने वाली प्रक्रिया हेतु प्रावधान किया गया है।

'वन टाइम सेटलमेंट योजना' को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य की 'विवादों का समाधान' योजना के तहत हरियाणा में खनन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिये 'वन टाइम सेटलमेंट योजना' को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- सुचारू खनन सुनिश्चित करने और मुकदमेबाजी/विवादों को न्यूनतम करने के लिये सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करके मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में विवादों को समाधान की नीति के अंतगर्त लंबे समय से लंबित मुद्दों का निपटारा किया गया।
- 'एकमुश्त निपटारा योजना' के माध्यम से राज्य सरकार ने निम्नलिखित के निपटारे का निर्णय लिया है-
  - पर्यावरण मंज़ूरी प्राप्त करने से पहले की अवधि के लिये देय राशि और संचालन के लिये सहमति।
  - खनिज रियायतग्राहियों को क्षेत्र के विवादों से उत्पन्न मुद्दों पर कठिनाई, स्थानीय गड़बड़ी, खनिज की गुणवत्ता, बाजार की स्थिति, आर्थिक रूप से अव्यवहार्य होने वाले कार्यों आदि से उत्पन्न मुद्दों पर कठिनाइयों का सामना करने पर आवेदन समर्पण करे।
  - निलंबन अवधि के लिये बकाया।
  - समझौते का निष्पादन न होना।
  - पर्यावरण मंज़ूरी से इनकार।
  - अनुबंध के पोस्ट अवॉर्ड क्षेत्र के नियमों में जहाँ कहीं प्रतिबंध/संशोधन करने की आवश्यकता होगी, वहाँ वार्षिक अनुबंध राशि/डेड रेंट के मामलों में कमी की जाएगी।
  - सीटीई/सीटीओ की अवधि के लिये देय राशि से इनकार किया गया है।
  - बकाया राशि के भुगतान पर ब्याज राशि में एकमुश्त राहत।

'मॉडर्न इंडिया' पुस्तक का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 3 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटेर ने पूनम दलाल दहिया द्वारा लिखित पुस्तक 'मॉडर्न इंडिया' का विमोचन किया। यह पुस्तक आधुनिक भारत के इतिहास पर व्यापक जानकारी प्रदान करती है।

प्रमुख बिंदु

- पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान मैकग्रा हिल द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक की पहली प्रति लेखिका सुश्री पूनम दलाल दहिया ने हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटेर को भेंट की।
- यह पुस्तक छात्रों को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिये अनुकूल तरीके से आधुनिक भारत के इतिहास पर व्यापक जानकारी प्रदान करती है।
- पुस्तक सभी महत्त्वपूर्ण घटनाओं का गहन कवरेज और विश्लेषण देती है, जिससे छात्रों को विषय की वैचारिक समझ हासिल करने में मदद मिलती है और यह प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा दोनों के लिये समान रूप से फायदेमंद है।

- उल्लेखनीय है कि पूनम दलाल दहिया अपनी विषय-वस्तु विशेषज्ञता के लिये काफी लोकप्रिय हैं। लगभग चार वर्षों तक भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) में कार्य करने के बाद वे अब पुलिस विभाग में एएसपी, गुरुग्राम के रूप में कार्यरत् हैं।

हरियाणा के किसानों को मिलीं कई बड़ी सौगातें

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए फसल खराब होने पर दी जाने वाली मुआवजा राशि को 12 हज़ार रुपए से बढ़ाकर 15 हज़ार रुपए और 10 हज़ार राशि को बढ़ाकर साढ़े 12 हज़ार रुपए कर दिया है। इसके साथ-साथ इससे नीचे के स्लैब में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा भी की है।

प्रमुख बिंदु

- सरकार ने हाल ही में यह घोषणा भी की है कि 2 एकड़ भूमि के किसान को फसल बीमा प्रीमियम नहीं भरना पड़ेगा, वहीं 2 से 5 एकड़ भूमि के किसान को राहत देते हुए आधी प्रीमियम राशि सरकार की तरफ से भरने का निर्णय लिया गया है।
- 5 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसान को खुद फसल बीमा करवाना होगा।
- मुख्यमंत्री ने करनाल में 263 करोड़ रुपए की लागत से बनी आधुनिक सहकारी चीनी मिल का शुभारंभ भी किया। उन्होंने बताया कि करनाल चीनी मिल की क्षमता को 2200 टीसीडीसी से बढ़ाकर 3500 टीसीडीसी कर दिया गया है। उन्होंने चीनी मिल कर्मचारियों को मिलने वाले 25 रुपए धुलाई भत्ते में तत्काल बढ़ोतरी करते हुए उसे 100 रुपए कर दिया है।
- सरकार पराली न जलाने वाले किसानों को 1 हज़ार रुपए प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसके अलावा रेड ज़ोन इलाकों में जो पंचायतें पराली न जलाने का सर्टिफिकेट दे रही हैं, उन्हें 10 लाख रुपए की विकास अनुदान राशि भी दी जा रही है।

उड़न सिख सरदार मिल्खा सिंह स्टेडियम

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल शहर के वार्ड 16 स्थित गप्पू वाला बाग स्थल पर, करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से करीब 4 एकड़ मंख बनाए गए मिनी खेल स्टेडियम को उड़न सिख सरदार मिल्खा सिंह खेल मैदान नाम देने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने बताया कि इस स्टेडियम के गेट पर सरदार मिल्खा सिंह की एक प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी तथा इसके साथ लगती करीब ढाई एकड़ भूमि पर सामुदायिक केंद्र व इसके प्रथम तल पर लाईब्रेरी की स्थापना होगी।
- खेल मैदान के एक कोने पर योगाशैड बनाया जाएगा, जिसमें योग कक्षाएँ लगेंगी। इसके अतिरिक्त करनाल से सटे कैलाश गाँव में उपलब्ध 7 एकड़ ज़मीन पर करीब 8 करोड़ रूपए की लागत से हॉकी का एस्ट्रोट्रफ मैदान बनाया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में, के.एस.सी.एल. की ओर से करीब 8 करोड़ 22 लाख रूपए की लागत से तैयार मिनी खेल स्टेडियम, अटल पार्क का सौंदर्यीकरण, विभिन्न सड़कों का सुदृढ़ीकरण तथा फुटपाथों पर टेक्टाईल से निर्माण कार्य सहित 4 परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

निजी शैक्षणिक संस्थानों को प्रॉपर्टी टैक्स में एक वर्ष की छूट

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर ,2021 को हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री अनिल विज ने राज्य के निजी शैक्षणिक संस्थानों को संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) में एक वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- विज ने बताया कि एक वर्ष की छूट से राज्य में स्थापित निजी शैक्षणिक संस्थानों को 23.50 करोड़ रुपए के संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) का लाभ होगा।
- उल्लेखनीय है कि सरकारी शैक्षणिक भवनों को भी पहले ही संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) में एक वर्ष की छूट दी गई है और इससे 10.35 करोड़ रुपए का वित्तीय खर्च आएगा।
- इस निर्णय से राज्य के 88 निकायों के 8986 शैक्षणिक संस्थानों को लगभग 33.85 करोड़ रुपए का लाभ होगा।

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने किया चीनी मिल के पिराई सत्र का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने पानीपत सहकारी चीनी मिल के 65वें पिराई सत्र का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि मिल द्वारा वर्ष 2021-22 के लिये 60 लाख क्विंटल (नई व पुरानी चीनी मिल) गन्ने की पिराई का लक्ष्य रखा गया है।
- पिछले सीजन में सरकार द्वारा गन्ने की अगेती किस्म के लिये 362 रुपए प्रति क्विंटल तथा मध्यम व पछेती किस्म के लिये 355 रुपए प्रति क्विंटल रेट निर्धारित किये गए थे, जिससे किसानों को तीन हज़ार से चार हज़ार रुपए प्रति एकड़ की अतिरिक्त आमदनी हुई थी।
- गाँव डाहर में लगने वाली नई चीनी मिल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और इसका ट्रायल जनवरी माह में प्रस्तावित है। नई चीनी मिल के आरंभ होने से पानीपत ज़िला के किसानों को इसका बहुत फायदा होगा।

राष्ट्रीय तलवारबाज़ी प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने गुरुग्राम दौरे के दौरान इस वर्ष की राष्ट्रीय तलवारबाज़ी प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा के सोनीपत में किये जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता का शुभंकर 'श्यामू' और इसके साथ-साथ 'मोटो' भी लॉन्च किया।
- प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 28 दिसंबर 2021 तक किया जाएगा
- उल्लेखनीय है कि हरियाणा के खिलाड़ियों के लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन और हरियाणा सरकार की खेल नीति के बलबूते हरियाणा का नाम खेलों के हब के रूप में विकसित हुआ है। इसी का परिणाम है कि इस बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन करने का मौका हरियाणा को मिला है और अब राष्ट्रीय तलवारबाज़ी प्रतियोगिता का आयोजन भी हरियाणा में किया जाएगा।

देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस थानें

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि इस वर्ष के लिये देश के सर्वश्रेष्ठ तीन पुलिस थानों में से हरियाणा के ज़िला फतेहाबाद के भटटू-कलां के पुलिस थाने को भी चयनित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने बताया कि आगामी 19 नवंबर, 2021 को लखनऊ में आयोजित होने वाली पुलिस महानिदेशकों व पुलिस महानिरीक्षकों की कॉन्फ्रेंस में भट्ठू-कलां पुलिस थाना के एसएचओ को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।
- भटठू-कलां थाने के एसएचओ ओमप्रकाश के अनुसार थाने में जितनी भी शिकायत प्राप्त होती हैं, उनका निपटान तुरंत प्रभाव से करवा दिया जाता है और अभी तक गाँव भट्ठू कलां की शत-प्रतिशत शिकायतों का निपटान किया जा चुका है।
- एसएचओ ने आगे बताया कि उनके द्वारा महिला शिकायकर्त्ताओं के सहयोग के लिये महिला हेल्पडेस्क भी तैयार की गई है, ताकि महिलाओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो।
- गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीमों ने उन्हें बिना जानकारी दिये उनके थाने का निरीक्षण किया और आसपास के क्षेत्र व गाँवों के लोगों से बातचीत कर पुलिस थाना कर्मचारियों व एसएचओ का फीडबैक लिया, जिसमें वे अव्वल आए हैं।

हिसार अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को हिसार में बनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन के संबंध में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बताया गया कि हिसार में आगामी अक्टूबर, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित कर दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हिसार के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का रन-वे आगामी मई 2022 तक तैयार कर दिया जाएगा और इसी कड़ी में सितंबर 2022 तक एयरपोर्ट में लाईटिंग का कार्य भी पूर्ण कर दिया जाएगा।
- हिसार के विकास के तहत एक कमेटी का गठन किया गया है, ताकि हिसार को एक सुव्यवस्थित शहर बनाया जा सके। इसी प्रकार, हिसार एयरपोर्ट पर आने व जाने के लिये मिर्चापुर व डुंडूरपुर पर क्लोवर कनेक्टीविटी का एक प्रस्ताव तैयार किया जाएगा और इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा, ताकि सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।
- हिसार एयरपोर्ट पर अंतर्राष्ट्रीय फ्लाईट्स को भी पार्किंग करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा, एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग टर्मिनलों का भी निर्माण किया जाएगा, जिनकी दिसंबर के अंत तक डिज़ाईन तैयार कर दी जाएगी।
- इसके अलावा, हिसार एयरपोर्ट पर ट्रेन या मैट्रो की सुविधा देने हेतु संभावनाएँ भी तलाशी जा रही हैं, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो तथा कारगों की सुविधा भी आसान हो सके।
- हिसार एयरपोर्ट पर एक मैन्युफैक्चरिंग हब भी प्रस्तावित किया गया है, ताकि यहाँ पर विशेष प्रकार के उद्योगों को स्थापित किया जा सके और राज्य के युवाओं को रोज़गार सुनिश्चित हो सकें।

डीएनबी पाठ्यक्रमों में सेवारत डॉक्टरों के लिये 50 प्रतिशत आरक्षण

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को हरियाणा राज्य सरकार ने 'इन-सर्विस' डॉक्टरों को राज्य के विभिन्न राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) से मान्यता प्राप्त सिविल अस्पतालों में पोस्ट एमबीबीएस डीएनबी, पोस्ट डिप्लोमा डीएनबी और पोस्ट एमबीबीएस डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये राज्य कोटे में 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के संबंध में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिये इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये अधिसूचना जारी की है।

प्रमुख बिंदु

- हालांकि, 'इन-सर्विस डॉक्टरों' को राज्य कोटे के तहत इन पाठ्यक्रमों के लिये आवेदन करने के लिये तीन साल के लिये वंचित कर दिया जाएगा, यदि वे एनबीई द्वारा निर्धारित प्रवेश की अंतिम तिथि से तीन दिन पहले पाठ्यक्रम छोड़ देते हैं (संस्थान में शामिल हो गए हैं)।

- अधिसूचना के अनुसार, पोस्ट एमबीबीएस डीएनबी, पोस्ट डिप्लोमा डीएनबी और पोस्ट एमबीबीएस डिप्लोमा पाठ्यक्रम वर्तमान में पंचकुला, फरीदाबाद, अंबाला शहर, हिसार, बहादुरगढ़, रेवाड़ी, अंबाला कैंट, पानीपत और रोहतक में नौ एनबीई मान्यता प्राप्त सिविल अस्पतालों में चल रहे हैं।
- इससे पहले, राज्य में डीएनबी पाठ्सक्रमों में सभी सीटें एनईईटी पीजी की अखिल भारतीय मेरिट श्रेणी के माध्यम से भरी जाती थीं। राज्य में विशेषज्ञों की कमी को पूरा करने के लिये सिविल अस्पतालों में डीएनबी पाठ्यक्रम शुरू किये गए हैं।
- ज्ञातव्य है कि डीएनबी, एक 3 साल का कोर्स एमडी/एमएस कोर्स का विकल्प है जो सिविल/निजी अस्पतालों द्वारा डॉक्टरों को उनकी एमबीबीएस डिग्री के बाद विशेषज्ञता प्रदान करने के लिये पेश किया जाता है। DNB डिग्री NBE द्वारा प्रदान की जाती है जो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है।
- स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एनबीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 50 प्रतिशत राज्य कोटा सीटों के तहत पोस्ट एमबीबीएस डीएनबी, पोस्ट डिप्लोमा डीएनबी और पोस्ट एमबीबीएस डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल 'इन-सर्विस डॉक्टरों' पर लागू होगा।

चौधरी देवीलाल सहकारी चीनी मिल गोहाना के पिराई सत्र का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को हरियाणा के सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने चौधरी देवीलाल सहकारी चीनी मिल आहुलाना(गोहाना) के पेराई सत्र 2021-22 का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- सहकारिता मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि किसानों के सहयोग से प्रदेश के सभी चीनी मिलों को समय से पहले शुरू किया गया है ताकि अधिक चीनी व अन्य चीजों का उत्पादन किया जा सके और प्रदेश के चीनी मिलों को घाटे से उभारा जा सके।
- उन्होंने कहा कि चीनी मिलों की आय को बढाने व किसानों को और अधिक सुविधाएं देने के लिए अब प्रदेश के चीनी मिलों में चीनी के अलावा एथनोयल, गुड़ तथा रिफाइंड शुगर भी तैयार किया जाने लगा है। रोहतक का चीनी मिल पूरे देश में दूसरा ऐसा चीनी मिल है जहां पर रिफाइंड शुगर तैयार की जाती है।
- सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूरे भारत में गन्ने का सबसे ज्यादा रेट हरियाणा के किसानों को दिया जा रहा है ताकि गन्ना उत्पादक किसानों को खासा मुनाफा मिल सके।
- राज्य सरकार द्वारा गन्ने की 15023 किस्म को बढावा देने के लिये किसानों को अलग से 8 हज़ार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है ताकि अधिक से अधिक किसान इस किस्म को उगा सकें ।
- पिराई सत्र के शुभारंभ समारोह में सहकारिता मंत्री ने गत सीजन 2020-21 के अंतर्गत मिल गेट पर सबसे अधिक गन्ना आपूर्ति करने वाले तथा चीनी मील में साफ-सुथरा गन्ना लाने वाले किसानों को सम्मानित किया।
- गन्ना यार्ड में बुग्गी तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली में सबसे पहले गन्ना लाने वाले किसानों को भी सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने सम्मानित किया।

इंडियन साइन लैंग्वेज की पाठ्यपुस्तकों का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बाल दिवस पर गुरुग्राम के श्रवण एवं वाणी नि:शक्तजन कल्याण केंद्र द्वारा नि:शक्तजनों के लिये तैयार की गई 5वीं कक्षा तक की इंडियन साइन लैंग्वेज की पाठ्यपुस्तकों का विमोचन किया। ऐसी पाठ्यपुस्तकें देश में पहली बार तैयार की गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- 6 वर्ष तक की आयु के तथा पहली से पाँचवी कक्षा तक के मूक-बधिर बच्चों के लिये इस केंद्र ने पाठ्यपुस्तकें तैयार की हैं उससे हरियाणा प्रदेश के साथ देश के श्रवण एवं वाणी नि:शक्तजनों को लाभ होगा।
- उल्लेखनीय है कि देश में मूक-बधिर व्यक्तियों की संख्या लगभग 50 लाख है और हरियाणा में ऐसे लगभग डेढ़ लाख व्यक्ति हैं।
- इस कल्याण केंद्र में साइन लैंग्वेज के साथ-साथ डिजिटल साइन लैंग्वेज की लैब बनाई गई है जहाँ पर श्रवण एवं वाणी नि:शक्तजनों के लिये 600 से ज़्यादा वीडियो बनाए गए हैं, जिनका प्रयोग कोविड के दौरान हुआ।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। इसके अलावा, उन्होंने इस केंद्र को 350 लैपटॉप देने वाली कॉल्ट कंपनी और अर्ली इंटरवेंशन सेंटर के संचालन में सहयोग देने के लिये 2 डिजिटल स्क्रीन तथा 17 स्टॉफ के सदस्य उपलब्ध करवाने वाली बैचटल कंपनी के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया।
- हरियाणा राज्य सड़क विकास निगम ने भी इस केंद्र को लगभग 48 लाख रुपए के आईटी उपकरण व 140 टैबलेट उपलब्ध करवाए हैं।

राष्ट्रीय खेल एवं साहसिक पुरस्कार-2021

चर्चा में क्यों ?

- 13 नवंबर, 2021 को हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा ओलंपिक व पैरालंपिक-2020 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करने पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा राष्ट्रीय खेल एवं साहसिक पुरस्कार-2021 से खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित इस समारोह में हरियाणा के 12 खिलाड़ियों और 4 प्रशिक्षकों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन अवार्ड, द्रोणाचार्य लाइफ टाइम अवार्ड, द्रोणाचार्य अवार्ड और मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड मिला है।
- पैरा तीरंदाज नीरज चोपड़ा, पैरा निशानेबाज़ मनीष नरवाल, पहलवान रवि कुमार दहिया व पैरा एथलीहट सुमित अंतिल को देश का सबसे बड़ा खेल सम्मान 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न' मिला है।
- वहीं हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले 8 खिलाड़ी पैरा एथलीट योगेश कथूनिया, हॉकी खिलाड़ी सुरेंद्र पालड, हॉकी खिलाड़ी सिंहराज अधाना, सुमित कुमार, पहलवान दीपक पूनिया, पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह, हॉकी खिलाड़ी मोनिका मलिक और कबड्डी खिलाड़ी संदीप नारवाल को खेल एवं स्पर्धा 2021 में शानदार प्रदर्शन के लिये अर्जुन अवार्ड से नवाज़ा गया है।
- खेल और स्पर्धा 2021 में उत्कृष्ट कोचों के लिये द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफ- टाइम श्रेणी) में क्रिकेट कोच सरकार तलवार और कबड्डी कोच आशान कुमार को सम्मानित किया गया है। द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी) में हॉकी कोच प्रीतम सिवाच को सम्मान मिला है। खेल और स्पर्धा 2021 में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिये पहलवान सज्जन सिंह को ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- हरियाणा के मानव रचना शैक्षणिक संस्थान को नवोदित और युवा प्रतिभा की पहचान और पोषण की श्रेणी में राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया है।
- 12 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड में से 4 खेल रत्न अवार्ड तथा हैं। 35 अर्जुन अवार्ड में से 8 अर्जुन अवार्ड हरियाणा को मिले हैं। प्रशिक्षकों की अलग-अलग कैटेगरी में कुल 15 द्रोणाचार्य अवार्ड में से 4 हरियाणा के प्रशिक्षकों को मिले हैं। दो राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारों में से एक हरियाणा को मिला है। कुल 64 पुरस्कारों में से हरियाणा को 17 पुरस्कार मिले हैं।
- मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार (पहले राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार) सरकार द्वारा 1991-92 में आरंभ किया गया था। पुरस्कार पिछले चार वर्षों के दौरान के क्षेत्र में किसी एक खिलाड़ी द्वारा अभूतपूर्व और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये दिया जाता है। पुरस्कार में एक पदक, समारोह की पोशाक, प्रमाणपत्र तथा 25.00 लाख रुपए नकद दिया जाता है।
- द्रोणाचार्य पुरस्कार, 1985 में ऐसे विख्यात प्रशिक्षकों को सम्मान देने के लिये शुरू किया गया था, जिन्होंने सफलतापूर्वक उन खिलाड़ियों या टीमों को प्रशिक्षित किया है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया हो। पुरस्कार प्राप्तकर्ता को एक प्रतिमा, प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 15.00 लाख जीवनपर्यंत श्रेणी और 10.00 रुपए नियमित श्रेणी में नकद दिया जाता है।

- वर्ष 1961 में स्थापित अर्जुन पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने पिछले चार वर्षों में लगातार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो, साथ ही उनमें नेतृत्व, खेल भावना तथा अनुशासन की भावना के गुण भी होने चाहिए। पुरस्कार प्राप्तकर्ता को एक प्रतिमा, प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 15.00 लाख रुप्ए नकद दिया जाता है।
- उन खिलाड़ियों को सम्मान देने के लिये जिन्होंने अपने प्रदर्शन के द्वारा खेलों में योगदान दिया है तथा सक्रिय खेल जीवन से अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भी खेलों के संवर्धन में योगदान देना जारी रखा है, खेलकूद में जीवनपर्यंत उपलब्धि के लिये वर्ष 2002 से ध्यानचंद पुरस्कार स्थापित किया गया है। पुरस्कार में एक प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 10.00 लाख रुपए नकद दिया जाता है।
- खिलाड़ियाँ तथा कोचों के अलावा अन्य व्यत्तियों द्वारा खेलों के विकास में दिए गए योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिये सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिये शीर्षक से एक नए पुरस्कार वर्ष 2009 से गठित किए गए हैं जिनमें चार श्रेणिया है नामत: (1) उदीयमान/युवा प्रतिभाओं की पहचान और पोषण (2) कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन (3) खिलाड़ियों के लिये रोजगार और खेल कल्याणकारी उपाय (4) विकास के लिये खेल पुरस्कारों में प्रत्येक ऊपर उल्लिखित श्रेणियों में एक प्रशस्ति पत्र तथा एक ट्राफी प्रदान की जाती है। इसमें कोई नकद पुरस्कार नहीं है।

40वें भारतीय राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में हरियाणा मंडप

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर से 27 नवंबर, 2021 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित किये जा रहे 40वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में हरियाणा मंडप का इस वर्ष का थीम 'आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर हरियाणा' है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि हरियाणा राज्य देश के सर्वाधिक प्रगतिशील राज्यों में शामिल है। हरियाणा प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में हुई उन्नति को एक 'आदर्श निवेश गंतव्य-अंतहीन अवसर' के संदेश के साथ हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम के विभिन्न मेगा फूड पार्क, फुटवियर पार्क, आईएमटी व अन्य औद्योगिक क्षेत्रों का विवरण प्रदर्शित किया गया है।
- हरियाणा मंडप में हरियाणा कृषि एवं व्यवसाय नीति, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग नीति तथा हरियाणा उद्यम एवं रोज़गार नीति, एक खंड-एक उत्पाद, एकीकृत विमानन हब, कौशल विकास प्रशिक्षण के मिशन के रूप में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का विवरण प्रदर्शित किया गया है।
- मंडप में परिवार पहचान-पत्र योजना का विस्तृत विवरण प्रदर्शित किया गया है। परिवार पहचान-पत्र बनाने वाला हरियाणा देश का प्रथम राज्य है। वॉलंटियर सेवा के विस्तार की दिशा में 'समर्पण' कार्यक्रम को शानदार रूप से प्रदर्शित किया गया है। साथ ही, मंडप में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार का विवरण दर्शाया गया है।
- विद्युत क्षेत्र में हरियाणा के विद्युत निगमों का लाभ में होने तथा 'म्हारा गाँव जगमग गाँव' योजना के परिणामस्वरूप हरियाणा के दस ज़िलों में चौबीस घंटे विद्युत आपूर्ति को दर्शाया गया है। हरियाणा के 5367 गाँवों में 24 घंटे व 1658 गाँवों में 16 घंटे से 18 घंटे विद्युत आपूर्ति का विवरण प्रदर्शित किया गया है।
- हरियाणा को खेलों के एक हब के रूप में प्रदर्शित किया गया है। ओलंपिक व पैरालंपिक के विजेता खिलाड़ियों को दी गई पुरस्कार राशि व अन्य सुविधाओं का भी विवरण दिया गया है।

'जागृति यात्रा' साइकिल

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को हरियाणा के पुलिस महानिदेशक पी.के. अग्रवाल ने पुलिस मुख्यालय में राज्य भर में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के बारे में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिये हरियाणा पुलिस द्वारा शुरू की गई एक महीने की साइकिल रैली 'जागृति यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा डीजीपी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को, विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करके और महिलाओं की सुरक्षा में पुलिस सहित विभिन्न एजेंसियों की भूमिका के बारे में शिक्षित करके महिला सुरक्षा को बढ़ावा देना है।
- 'जागृति यात्रा' हरियाणा के सभी ज़िलों को कवर करेगी और साथ ही वहाँ इस रैली के आगमन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। रैली में भाग लेने वाली महिला पुलिस साइकिल चालकों की टीम कार्यक्रम में मौजूद महिलाएँ व कॉलेज/स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को अपराध की रोकथाम युक्तियों, महिला सशक्तीकरण के प्रति संवेदनशील व विभिन्न एजेंसियों की भूमिकाओं के बारे में बताएगी।
- गौरतलब है कि पंचकुला की एसीपी ममता सोढ़ा के नेतृत्व में 16 महिला पुलिस साइकिल चालकों की टीम हरियाणा के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों को कवर करते हुए करीब 1194 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। पंचकूला से शुरू हुई 'जागृति यात्रा' 10 दिसंबर 2021 को पुलिस मुख्यालय में समापन समारोह के साथ समाप्त होगी।
- जागृति यात्रा के 'जागरूक नारी, शक्ति हमारी' के नारे के साथ, हरियाणा पुलिस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों और राज्य में मौजूद सहायता सुविधाओं के बारे में जागरूक करना है।

'हरियाणा अणु विद्युत परियोजना' की समीक्षा बैठक

चर्चा में क्यों ?

- 16 नवंबर, 2021 को हरियाणा बिजली विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास ने न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा फतेहाबाद ज़िला के गाँव गोरखपुर में स्थापित की जा रही 4700 मेगावाट क्षमता की 'हरियाणा अणु विद्युत परियोजना' की समीक्षा की।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर एनपीसीआईएल के डीजीएम (मानव संसाधन) ने बताया कि इस परियोजना पर अब तक 3400 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हैं। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड ने गत 18 नवंबर, 2020 को आवश्यक परमाणु एंव रेडियोलॉजिक सुरक्षा, औद्योगिक एवं अग्नि सुरक्षा और सिविल इंजीनियरिंग के पहलुओं की समीक्षा की तथा संतोषजनक पाए जाने पर जीएचएवीपी-1 और 2 के निर्माण की मंज़ूरी दी।
- न्यूक्लियर बिल्डिंग-1 व 2 क्षेत्र के नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है और मुख्य इकाई का निर्माण कार्य उच्च स्तर पर शुरू कर दिया गया है। टरबाईन और उसके सहायक उपकरणों के निर्माण का कार्य बीएचईल को दिया गया है। प्रमुख रिएक्टर उपकरण, जैसे- एंडशील्ड पहले ही प्राप्त हो चुके हैं और कैलेंड्रिया एवं स्टीम जेनरेटर जैसे अन्य उपकरण प्राप्ति के विभिन्न चरणों में हैं।
- अग्रोहा में एनपीसीआईएल कॉलोनी का निर्माण अग्रिम चरण में है, जहाँ मार्च, 2022 तक आवास शुरू करने की योजना है। 700 मेगावाट की पहली इकाई का उत्पादन वर्ष 2026 में शुरू हो जाएगा और शेष तीन इकाईयों को बाद में प्रति वर्ष एक इकाई के हिसाब से चालू कर दिया जाएगा।
- एनपीसीआईएल ने सीएसआर के तहत आसपास के क्षेत्रों में अब तक लगभग 26 करोड़ रुपए विभिन्न गतिविधियों पर खर्च किये हैं और 8 करोड़ रुपए इस वित्तीय वर्ष (2021-22) में खर्च करने की योजना है।

हरियाणा मे वाहनों के लिये सम-विषम प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

- 18 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पलवल में कहा कि दिल्ली और इससे सटे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के संकट से निपटने हेतु वाहनों के लिये सम-विषम प्रणाली लागू की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को रोकने के लिये राज्य सरकार ने अगले सप्ताह से चार ज़िलों-गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और झज्जर में ऑड-ईवन नियम लागू करने का फैसला किया है।
- ऑड-ईवन योजना के तहत वाहनों के लिये वैकल्पिक दिनों को चिह्नित किया जाता है, जिनकी नंबर प्लेट क्रमश: विषम और सम संख्याओं में समाप्त होती है। विषम संख्या में समाप्त होने वाले पंजीकरण संख्या वाले वाहनों को विषम दिनों में सड़कों पर और सम संख्या वाले वाहनों को सम दिनों में अनुमति दी जाती है।
- खट्टर ने कहा कि प्रदूषण उद्योगों, वाहनों सहित अन्य कारणों से होता है। हरियाणा में इस बार पराली जलाने की घटनाएँ तेज़ी से कम हुई हैं।
- वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिये उठाए गए कदमों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिये सुझाव देने हेतु गुरुग्राम में एक इंजीनियर कमेटी का गठन किया गया है।

आदर्श गाँव सुई

चर्चा में क्यों ?

- 17 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने हरियाणा के भिवानी ज़िले में स्व-प्रेरित आदर्श ग्राम योजना के तहत विकसित किये गए आदर्श गांव सुई का उद्घाटन किया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि आदर्श ग्राम योजना के तहत सुई गाँव में कई विकास कार्य किये गए हैं और इन विकास कार्यों से सरकार की स्व-प्रेरित आदर्श ग्राम योजना का मुख्य उद्देश्य भी पूरा हो रहा है।
- उन्होंने कहा कि नई झील, पार्क, सभागार, पुस्तकालय, सड़कें, गलियाँ और सरकारी स्कूल से सुई गाँव को आधुनिक रूप मिला है। सूई और आसपास के गाँवों में 'एक उत्पाद-एक ब्लॉक' के तहत 50 एकड़ में छोटे उद्योगों का एक समूह बनाया जाएगा, जिससे रोज़गार के नए अवसर पैदा होंगे।
- सूई गाँव के मूल निवासी उद्योगपति एसके जिंदल ने गाँव में कई विकास कार्यों को पूरा कर अन्य लोगों के लिये एक मिसाल कायम की है। इसी तरह विदेश में रहने वाले हरियाणा के 205 लोगों ने अपने पैतृक गाँवों में विकास कार्य कराने की इच्छा जताई है।
- ग्रामीणों की मांग के अनुसार 5 करम पथ पर सूई से डांग गाँव तक मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से सड़क बनाई जाएगी, गाँव में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये परियोजना बनाई जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि भिवानी शहर के गंदे पानी को गाँव में प्रवेश करने से रोकने के लिये वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया जाएगा।

झज्जर में बनेगा स्वामी ओमानंद सरस्वती के नाम पर विशाल पुरातत्त्व संग्रहालय

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने स्वामी ओमानंद सरस्वती पुरातत्त्व संग्रहालय समिति, गुरुकुल झज्जर के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए झज्जर में स्वामी ओमानंद सरस्वती के नाम पर एक विशाल संग्रहालय के निर्माण के लिये एचएसवीपी भूमि देने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि गुरुकुल झज्जर पुरातत्त्व संग्रहालय राज्य के लिये गौरव का स्थान है। यह हरियाणा का सबसे बड़ा संग्रहालय है। देश के विभिन्न हिस्सों से प्राचीन वस्तुओं को एकत्र करने में स्वामी ओमानंद सरस्वती की प्रतिबद्धता और प्रयासों से यह संग्रहालय 1959 ई. में अस्तित्व में आया था।
- इस संग्रहालय में स्वामी ओमानंद द्वारा संरक्षित पुरातात्त्विक महत्त्व की लगभग 2 लाख वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

- मौजूदा संग्रहालय में दुर्लभ सिक्कों, मृण्मूर्ति, मूर्तियों, पांडुलिपियों आदि का अनूठा और अतुलनीय संग्रह है।
- इन धरोहरों को पिछले कई दशकों के दौरान गुरुकुल झज्जर द्वारा दुनिया भर से एकत्र किया गया है और इस प्रकार राज्य सरकार ने इस राष्ट्रीय धरोहर को भावी पीढ़ी के लिये संरक्षित करने और इस अद्वितीय विरासत को प्रदर्शित करने के लिये एक नया संग्रहालय बनाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री ने स्कैटिंग गोल्ड मेडलिस्ट वैभव गुलाटी को किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में ज़िले के स्कैटिंग गोल्ड मेडलिस्ट वैभव गुलाटी को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि वैभव गुलाटी ने पिछले दिनों पंचकूला में आयोजित 35वीं हरियाणा स्टेट स्पीड रोलर प्रतियोगिता में 3 गोल्ड मेडल जीतकर करनाल ज़िला का नाम रोशन किया है और अब दिल्ली में आयोजित होने वाली नेशनल प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति के कारण युवाओं का खेलों के प्रति रुझान बढ़ा है और प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में मेडल हासिल करके प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

हरियाणा को स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में देश में दूसरा स्थान मिला

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में 100 से कम शहरी स्थानीय निकायों वाले राज्यों की श्रेणी में हरियाणा को दूसरा स्थान का सम्मान प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा ने 100 यूएलबी (शहरी स्थानीय निकायों) से कम राज्यों की कटेगरी में 1745 स्कोर के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस सूची में हरियाणा के सात शहरों ने जगह बनाई।
- प्रेरक डीएयूयूआर सम्मान (जो छः चयनित संकेतकों के आधार पर शहरों का वर्गीकरण करेगा) नामक नई श्रेणी के तहत गुरुग्राम, रोहतक और करनाल को अनुपम (स्वर्ण) अवार्ड, पंचकूला, फरीदाबाद और नीलोखेड़ी को उज्ज्वल (रजत) अवार्ड तथा अंबाला को आरोही (कांस्य) अवार्ड मिला।
- रोहतक नगर निगम व गुरुग्राम नगर निगम को 'गारबेज-प्री सिटी' का अवार्ड दिया गया। नगर निगम गुरुग्राम को 'सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज अवार्ड' मिला।
- खुले में शौंच मुक्त निकायों के अंतर्गत हरियाणा के 12 नगर निकायों को 'ओडीएफ प्लस-प्लस' 43 नगर निकायों को 'ओडीएफ प्लस' प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ।
- ओडीएफ प्लस-प्लस से सम्मानित 12 नगर निकाय हैं- गुरुग्राम, करनाल, रोहतक, अंबाला, पंचकूला, यमुनानगर, हिसार, नीलोखेड़ी, पानीपत, घरौंडा, रेवाड़ी तथा रादौर।

हरियाणा के भट्टूकलां थाने को मिला 'सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन' अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित एक समारोह में भारत के तीन सर्वश्रेष्ठ पुलिस थानों में शामिल फतेहाबाद ज़िले (हरियाणा) के भट्टूकलां पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर ओम प्रकाश को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भट्टूकलां थाने को वर्ष 2021 के लिये देश के सर्वश्रेष्ठ तीन पुलिस थानों में सम्मिलित किया था।
- उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय प्रति वर्ष देश भर के पुलिस स्टेशनों का सर्वेक्षण कर अपराध दर, मामलों की जाँच और निपटान, बुनियादी ढाँचे एवं सार्वजनिक सेवा जैसे मापदंडों के आधार पर पुलिस स्टेशनों का चयन करता है।
- गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीमों ने भट्टूकलां थाने को बिना जानकारी दिये थाने का निरीक्षण किया और आसपास के क्षेत्र व गाँवों के लोगों से बातचीत कर पुलिस थाना कर्मचारियों व एसएचओ का फीडबैक लिया, जिसमें वे अव्वल आए हैं।

जीआईएस लैब

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेश के 11 ज़िलों में हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (HARSAC) द्वारा स्थापित जीआईएस लैब का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- पहले चरण में जिन 11 ज़िलों में एचएआरएसएसी द्वारा प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, उनमें अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पानीपत, सोनीपत, रेवाड़ी, नूंह, भिवानी, फतेहाबाद और पलवल ज़िले शामिल हैं।
- दूसरे चरण में प्रदेश के सभी ज़िलों में भौगोलिक सूचना प्रणाली प्रयोगशालाएँ (जीआईएस लैब) स्थापित की जाएंगी।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं की निगरानी सैटेलाइट के माध्यम से की जा सकेगी और इन प्रयोगशालाओं में सभी विभागों से संबंधित आँकड़े उपलब्ध रहेंगे। आम आदमी आसानी से इसकी जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
- उन्होंने कहा कि एचएआरएसएसी द्वारा बनाई जा रही इन प्रयोगशालाओं में उपग्रह छवियों का उपयोग करके डाटा एकत्र और संरक्षित किया जाएगा।
- प्राप्त आँकड़ों का पूरा विवरण, जैसे- संपत्ति के मालिक का नाम, संपर्क नंबर, संपत्ति का क्षेत्र, आवासीय या वाणिज्यिक क्षेत्र से संबंधित संपत्ति की स्थिति दर्ज की जाएगी। साथ ही, संपत्ति का स्थान और क्षेत्र में उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाएँ भी आसानी से सुलभ होंगी।
- सैटेलाइट के ज़रिये अधिकृत और अनधिकृत कॉलोनियों की आसानी से पहचान भी की जा सकती है। संपत्ति खरीदते समय भी लोगों को पता चल जाएगा कि वह संपत्ति अधिकृत क्षेत्र में है या नहीं।
- लैब में राजस्व, सिंचाई, शहरी स्थानीय निकाय, कृषि एवं किसान कल्याण, विकास एवं पंचायत, पुलिस एवं शिक्षा विभाग सहित सभी विभागों से संबंधित डाटा एकत्र किया जाएगा।

आधुनिक राजस्व रिकॉर्ड रूम का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कैंप कार्यालय में वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के सभी 22 ज़िलों में बने आधुनिक अभिलेख कक्ष (माडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम) का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहला माडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम ज़िला कैथल में 24 जून, 2017 को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में तैयार किया गया था। इसके बाद 25 दिसंबर, 2019 को सुशासन दिवस के अवसर पर सभी ज़िलों के लिये माडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम परियोजना की शुरुआत की गई थी।
- हरियाणा में महत्त्वपूर्ण रेवेन्यू रिकॉर्ड को डिजिटलाइज़ कर ई-गवर्नेंस सेवाओं में और विस्तार किया गया है। भविष्य में अन्य विभागों से संबंधित महत्त्वपूर्ण रिकॉर्ड को भी इसी तरह डिजिटलाइज़ किया जाएगा।

- प्रदेश को अब तक 148 अवॉर्ड मिल चुके हैं, जिनमें से करीब 100 अवॉर्ड ई-गवर्नेंस सेवाओं के सफल क्रियान्वयन के लिये मिले हैं।
- इस रिकॉर्ड के डिजिटलाइज़ होने से अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेज़ी आएगी और जनता को काफी सहूलियत मिलेगी।
- अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्त आयुक्त संजीव कौशल ने बताया कि माडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम के तहत राज्य स्तर पर ज़िलों के 18.5 करोड़ रिकॉर्ड को स्कैन कर डिजिटलाइज़ किया गया। रिकॉर्ड डिजिटलाइज़ होने से इसे संरक्षित रखना और उपयोग में लाना काफी सरल होगा।

कोविड पीड़ितों के परिजनों के लिये अनुग्रह सहायता हेतु ऑनलाइन सेवा शुरू

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य में कोविड-19 के कारण मरने वाले मृतकों के परिजनों को प्रति मृतक 50,000 रुपए की अनुग्रह सहायता प्रदान करने के लिये अंत्योदय सरल पोर्टल पर एक ऑनलाइन सेवा शुरू की है।

प्रमुख बिंदु

- अब आवेदक अपना दावा आवेदन दो निर्दिष्ट दस्तावेज़ों (मृत्यु प्रमाण-पत्र की प्रति और मृतक को कोविड-19 पॉजिटिव बताने वाली रिपोर्ट की प्रति) के साथ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं ।
- एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि इस सेवा को 'परिवार पहचान-पत्र' के साथ जोड़कर विकसित किया गया है। दावों के सभी आवेदनों को आवश्यक दस्तावेज़ जमा करने के 30 दिनों के भीतर निपटाया जाएगा और आधार से जुड़ी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रक्रियाओं के माध्यम से सहायता वितरित की जाएगी।
- यह योजना हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में होगी। ज़िले के उपायुक्त सह अध्यक्ष ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिसमें मृतक निवास कर रहा था, उचित सत्यापन के बाद लाभार्थी को अनुग्रह राशि जारी करेगा।
- उल्लेखनीय है कि हरियाणा में अब तक COVID-19 के कारण 10053 लोगों की मौत हो चुकी है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 हरियाणा में लिंगानुपात में 57 अंकों की वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2020-2021) के आँकड़ों के अनुसार हरियाणा में लिंगानुपात में 57 अंकों की वृद्धि दर्ज़ की गई है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-2016) के अनुसार प्रदेश में बच्चों के जन्म के समय लिंग अनुपात 836 था और अब राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2020-2021) में यह 57 अंक की बढ़ोतरी के साथ 893 हो गया है।
- राज्य में लिंग निर्धारण परीक्षण करने वाले नैदानिक केंद्रों आदि की पहचान करने के लिये स्वयंसेवकों का सहयोग लिया गया। इस संबंध में सटीक जानकारी देने वाले मुखबिरों को एक लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन के रूप में देने का निर्णय लिया गया।
- उल्लेखनीय है कि नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के अनुसार दिसंबर, 2014 में हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात 871 था, जो दिसंबर, 2020 में बढकर 922 हो गया था।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनवरी 2015 में हरियाणा की धरती पानीपत से शुरू किये गए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का राज्य में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है जिससे पिछले 5 वर्षों में 57 अंकों की बढ़ोतरी के साथ लिंगानुपात में काफी सुधार हुआ है।
- इस अभियान की शुरुआत के बाद से ही प्रदेश में लिंगानुपात बढ़ाने और कन्या भ्रूण हत्या की संभावना को पूरी तरह से मिटाने के लिये सक्रिय उपाय किये गए। प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीएनडीटी) व एमटीपी अधिनियम के तहत व्यापक स्तर पर कदम उठाए गए।
- इसके अलावा, हॉकी और कुश्ती जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ियों ने भी लोगों की मानसिकता को बदलने के लिये व्यापक प्रभाव डाला है और इससे भी लिंग-अनुपात में वृद्धि होना संभव हो पाया।
- लाडली, आपकी बेटी-हमारी बेटी जैसी अन्य पहलों ने भी लिंगानुपात को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिये हरियाणा के ज़िलों में लगाए जाएंगे अंत्योदय मेले

चर्चा में क्यों ?

- 26 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेश के हर गरीब परिवार को आर्थिक व सामाजिक रूप से सुदृढ़ करने के मद्देनज़र प्रत्येक ज़िले में 'मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना' के तहत अंत्योदय मेले लगाए जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- इन अंत्योदय मेलों की शुरुआत 29 नवंबर से होगी और इसे क्रमानुसार चलाकर सभी लाभपात्रों को कवर करते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित किया जाएगा।
- अंत्योदय मेलों के माध्यम से गरीब परिवारों को किसी-न-किसी योजना के साथ जोड़कर परिवार की आय 1.80 लाख रुपए तक पहुँचाने के लिये कार्य किया जाएगा।
- इन मेलों में लीड बैंक के साथ-साथ अन्य बैंकों को भी भागीदारी करने की सलाह दी गई और लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने संबंधी पूरा विवरण समझाया जाएगा तथा प्रयास किया जाएगा कि उन्हें जल्द-से-जल्द योजना संबंधी ऋण स्वीकृति पत्र सुपुर्द किया जाए।
- इन मेलों में ऐसे लाभार्थी युवाओं की भी तलाश की जाएगी, जिन्हें हरियाणा कौशल रोज़गार निगम के माध्यम से प्रशिक्षण देकर स्वरोज़गार अपनाने या फिर किसी क्षेत्र में रोज़गार के लिये तैयार किया जा सके।
- मेलों के पहले चरण में लाभार्थियों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें बैंक द्वारा अनुमति की कार्यवाही की जाएगी तथा दूसरे चरण में यह अनुमति-पत्र लाभार्थी को प्रदान कर स्कीम का लाभ दिया जाएगा।
- मेले के आयोजन के बाद लाभार्थियों से फीडबैक भी प्राप्त किया जाएगा।
- इन मेलों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिला उपायुक्त स्वयं इसे मानीटर करेंगे।

पेडल ऑपरेटेड मेज शेलर

चर्चा में क्यों ?

- 27 नवंबर, 2021 को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई मकई का दाना निकालने वाली पेडल ऑपरेटेड मेज शेलर को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से डिज़ाइन पेटेंट मिला है।

प्रमुख बिंदु

- इस मशीन का आविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. विजय कुमार सिंह व सेवानिवृत्त डॉ. मुकेश गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन के लिये वर्ष 2019 में डिज़ाइन हेतु आवेदन किया गया था।
- इस मशीन का प्रयोग कम जोत वाले व छोटे किसानों के लिये बहुत ही लाभदायक होगा। इससे मक्का का बीज तैयार करने में मदद मिलेगी, क्योंकि इसके द्वारा निकाले गए दाने मात्र एक प्रतिशत तक ही टूटते हैं और इसकी प्रति घंटा कार्यक्षमता भी 55 से 60 किलोग्राम तक की है।
- आधुनिक मशीन को चलाने के लिये केवल एक व्यक्ति की ज़रूरत है और इसको एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन की भी समस्या नहीं होती, क्योंकि इसका वज़न लगभग 50 किलोग्राम है, जिसमें पहिये लगे हुए हैं।